सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 23 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 172, पृष्ठः 8+4

जनता दर्शन : नागरिक सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

» Pg 12

इनसाइड बाराबंकी से ईरान के धार्मिक नेता रहे रुहुल्लाह खुमैनी का नाता... » Pg 10

क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन विधायकों को पार्टी से निकाला

अखिलेश यादव का बड़ा एक्शन : राज्यसभा में बीजेपी को दिया था वोट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में तीन बागी विधायकों को निष्कासित कर दिया है। इन विधायकों ने बीते वर्ष राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन से हटकर भाजपा प्रत्याशी को वोट दिया था, जिसे क्रॉस वोटिंग माना गया।

पार्टी सूत्रों के अनुसार अभय सिंह, विधायक-गोसाईंगंज (अयोध्या), राकेश प्रताप सिंह-विधायक, गौरीगंज (अमेठी) और मनोज कुमार पांडेय, विधायक-ऊंचाहार (रायबरेली) इन तीनों विधायकों की गतिविधियों को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी आचरण मानते हुए यह कड़ा कदम उठाया गया है।

क्रॉस वोटिंग से हारा था सपा का गणित : राज्यसभा चुनाव के दौरान कई विपक्षी विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग की खबरें सामने आई थीं, जिससे भाजपा को अप्रत्याशित जीत मिली थी। सपा के अन्य विधायकों पर भी शक की सुई चली, जिनमें विनोद चतुर्वेदी, राकेश पांडे, पूजा पाल और आशुतोष मौर्य के नाम सामने आए थे। हालांकि अभी तक इन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

काफी देरी से लिया गया फैसला : हालांकि यह घटना पिछले साल की है, लेकिन पार्टी ने अब जाकर तीनों बागी विधायकों को बाहर निकालने का फैसला किया है। इस देरी पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा गर्म है कि क्या पार्टी ने ये कदम रणनीतिक रूप से उठाया है।

बागी विधायक जिन्होंने राज्यसभा चुनाव में की थी क्रॉस वोटिंग

सपा ने तीन बागी विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधि के कारण बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इनमें से एक विधायक अखिलेश यादव और एक विधायक मुख्तार अंसारी का करीबी था। तीनों सपा के बाहुबली नेता माने जाते थे। समाजवादी पार्टी ने आज बागी विधायकों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की है। हालांकि पार्टी हाईकमान ने तीनों विधायकों को अपना व्यवहार सुधारने के लिए समय दिया था, लेकिन वे सुधरे नहीं, इसलिए पार्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

अभय सिंह थे गोसाईंगंज सीट से विधायक

सपा से निकाले अभय सिंह अयोध्या की गोसाईंगंज सीट से विधायक थे। वे समाजवादी पार्टी के बाहुबली नेता और पूर्व सांसद मुख्तार अंसारी के करीबी थे। उनका राजनीतिक करियर बसपा से शुरू हुआ था। बाद में उन्होंने बसपा छोड़कर सपा ज्वाइन कर ली थी। साल 2022 में वे गोसाईंगंज सीट से ही समाजवादी पार्टी की टिकट पर चुनाव जीतकर दूसरी बार विधायक बने थे। उन्होंने भाजपा की प्रत्याशी आरती तिवारी को 13 हजार वोटों से हराया था।

गौरीगंज से विधायक थे राकेश प्रताप सिंह

सपा से निष्कासित राकेश प्रताप सिंह अमेठी की गौरीगंज विस सीट से विधायक थे। वे साल 2022 में इस सीट से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार चंद्र प्रकाश मिश्रा मटियारी को हराया था। राकेश प्रताप गौरीगंज में ही साल 1976 में पैदा हुए थे। राकेश प्रताप उत्तर प्रदेश के 3 बार के विधायक हैं। साल 2012 में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार मोहम्मद नईम को 44287 वोटों से हराकर चुनाव जीता और विधायक बने थे।

ऊंचाहार से विधायक थे मनोज कुमार पांडे

मनोज कुमार पांडे रायबरेली की ऊंचाहार विधानसभा सीट से विधायक थे। जब से ऊंचाहार विधानसभा सीट बनी है, तब वे इस सीट से चुनाव जीतते आ रहे हैं। वे समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के करीबी थे। साल 2024 में उन्होंने पार्टी के मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दिया था। साल 2012 में उन्होंने पहली बार विधानसभा चुनाव जीता था। इसके बाद साल 2017 और साल 2022 का विधानसभा चुनाव भी उन्होंने जीता।

बच्चे की करंट से मौत

बाइक से घर जा रहे बाप की सड़क हादसे में मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। उन्नाव जिले में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां करंट से मासूम की मौत हुई तो सूचना मिलने पर आ रहे पिता की सड़क दुर्घटना में जान चली गई।

आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा रसूलाबाद निवासी अयांश (5) पुत्र विष्णु जायसवाल रविवार रात घर में पंखे के कटे तार से करंट की चपेट में आ गया। सीएचसी ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की सूचना पर शहर में रहकर काम करने वाले पिता विष्णु बाइक से घर जा रहे थे। माखी-रसूलाबाद मार्ग पर माखी थानाक्षेत्र के नहर के पास वाहन की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गए। पीछे से आ रहे शहर में रहने वाले परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें सड़क किनारे पड़ा देखा। जिसपर उन्हें मियागंज सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। आसीवन थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

मेरठ मेडिकल कॉलेज

हॉस्पिटल स्टाफ सोता रहा और इलाज कराने आई किशोरी बन गई हवस का शिकार

मेडिकल कॉलेज के बाथरूम में किशोरी का तीमारदार ने किया रेप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी विभाग वार्ड में भर्ती 13 साल की किशोरी के साथ दूसरे मरीज के साथ रह रहे तीमारदार ने बाथरूम में बंधक बनाकर कर दुष्कर्म कर डाला। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है, वही वारदात के बाद आरोपी मेडिकल से फरार हो गया। बच्ची की मां की तहरीर पर मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। सीसीटीवी की मदद से पुलिस ने देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, पुलिस ने किशोरी का मेडिकल करवाया जिसमें रेप की पुष्टि हुई है।

मेरठ के इंचौली क्षेत्र के रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी के पैर में परेशानी के कारण 20 जून को मेरठ मेडिकल कॉलेज के हड्डी वार्ड में भर्ती कराया गया था। वही इसी वार्ड में काशीपुर (मुरादाबाद) का मोहित भी भर्ती था। मोहित का सड़क हादसे लेकिन एक पैर कट गया था और ऑपरेशन मेडिकल में हुआ था। मोहित की देखरेख को उसके साथ उसका भाई रोहित कर था था। शनिवार को किशोरी रात में बाथरूम गई पीछे से रोहित भी पहुंच गया और उसने किशोरी को बाथरूम में बंधक बनाकर दुष्कर्म कर रात्रि में ही फरार हो गया।

किशोरी के गुमसुम रहने पर मां द्वारा काफी पूछे जाने पर किशोरी ने रोते हुए घटना की जानकारी दी। घटना पता चलते ही किशोरी की मां ने पहले डॉक्टरों और इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पहले किशोरी के बयान दर्ज किए और बाद में उसका मैडिकल करवाया, जिसमें रेप की पुष्टि की गई। वही पुलिस ने सीसीटीवी की मदद ओर उसके बीमार भाई से पता लेकर रविवार रात करीब 10 बजे आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से हुई पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया । इस घटना पर एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के आर्थो वार्ड में भर्ती 13 वर्षीय किशोरी के साथ एक अन्य मरीज के तीमारदार ने रेप किया था। मा द्वारा दी गई तहरीर पर मुकद्मा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वही मेडिकल में सुरक्षा की लापरवाही पर भी जांच की जा रही है।

बैलेंस योगा स्टूडियो में मनाया गया योगा दिवस

योग गुरू बासु चौहान ने बताया कि नियमित योग से बनाएं निरोगी और स्वस्थ्य शरीर

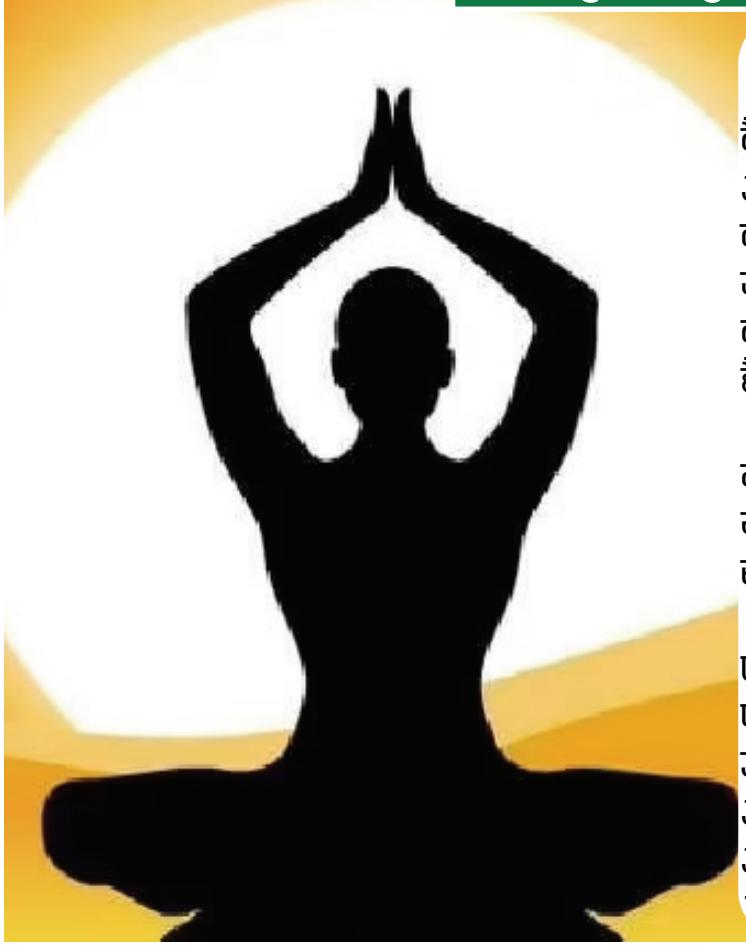

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। पांडुनगर के एच टू ब्लॉक स्थित बैलेंस योगा स्टूडियो में 11 अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान आए हुए लोगों को योगा अभ्यास के साथ उसके बारे में अहम जानकारियां दी गई।योग गुरू बासु चौहान ने बताया कि योग संस्कृत शब्द के युज शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है जुडना।

आज हर इंसान किसी न किसी तनाव से गुजर रहा है। भारतीय संस्कृति द्वारा विकसित योग दर्शन से तनाव मुक्त जीवन को जिया जा सकता है।

नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ्य एवं निरोगी रहता है और त्वचा निखरती है। आज पूरे दुनियां ने योग के महत्व को समझा और उसका अनुकरण कर रही है। इस मौके पर अक्षिता सेवानी, टीना अरोणा, ज्योति तिवारी, आशा शुक्ला, अंजलि, मनीषा बाजपेई, हरमीत, राधिका आदि रहीं।

पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के औरंगपुर सांभी गांव में सपा नेता शिवकांत की भांजी अंशिका का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में फंदे से लटका मिला था। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए दहेज हत्या की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुकदमे में नामजद हत्यारोपी पति राज प्रताप सिंह उर्फ अंकित पाल को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया है।

अरौल में खेत गई किशोरी से दुष्कर्म,आरोपी दो घंटे में गिरफ्तार

माँ की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया था मुकदमा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार दोपहर उस वक्त सनसनी फैल गई जब खेत में शौच को गई 13 वर्षीय किशोरी के साथ गांव के ही युवक ने दुष्कर्म की वारदात कर दी।पीड़िता की मां ने थाने में तहरीर देकर बताया कि शनिवार को दोपहर करीब एक बजे उनकी नाबालिग बेटी खेत में शौच के लिए गई थी। आरोप है तभी गांव का ही धर्मवीर गौतम उसे दबोच कर जबरन खेत में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद मौके से भाग गया। किशोरी ने घरवालों को आपबीती बताई। पीड़िता की माँ ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। इंस्पेक्टर जनार्दन यादव ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया। करीब दो घंटे के अंदर दबिश देकर आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जोन 6-नाला सफाई पर मेयर ने की गहन समीक्षा

» प्रत्येक पार्षद से पूछी नाला सफाई की हकीकत, मेयर प्रमिला पांडेय ने कहा इस बार नाला सफाई सबसे बेहतर हुई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में महापौर प्रमिला पांडेय द्वारा जोन -6 में नाला/नाली सफाई के सम्बन्ध में पार्षद एवं अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गयी।

बैठक में महापौर ने नाला/नाली सफाई पर कहा कि इस बार पहले से काफी ज्यादा कार्य हुआ है, क्यों कि इस वर्ष में जलभराव सम्बन्धी शिकायतें काफी कम हो गयी है, पूर्व वर्षो में पहले दिन भर जलभराव एवं सफाई सम्बन्धी शिकायते आती रहती थी। महापौर ने पार्षदों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में सफाई के सम्बन्ध में अवगत करायें।

वार्ड 35 कल्याणपुर उत्तरी के पार्षद आनन्द शुक्ला ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग के 70 प्रतिशत नाले साफ हो गये है। एक बड़ा नाला साफ होने से रह गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कर्मचारियों की स्वीकृति न होने के कारण कर्मचारी हटा लिये है, जिसके कारण स्वास्थ्य विभाग की कुछ नालियॉ सफाई हेतु शेष है।

वार्ड 43 नवाबगंज के पार्षद राज किशोर यादव ने कहा कि नालो पर 04 स्थानों पर अतिक्रमण है। स्वास्थ्य विभाग के 80 प्रतिशत नाले साफ हो गये है। गीता पार्क के पास 02 साल से सफाई नहीं हुई है। यादव जी वाली गली, गुलमोहर सोसाइटी, सत्यदेव प्रसाद वाली गली में सीवर लाईन जाम है।

वार्ड 23 आवास विकास कल्याणपुर के पार्षद राम नारायण ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग के नाले पूर्णतया साफ हो गये हैं। स्वास्थ्य विभाग का भी कार्य पूर्ण होने वाला है।

वार्ड 54 विनायकपुर के पार्षद कौशल मिश्रा ने कहा कि नाला-नाली सम्बन्धी सफाई पर कोई समस्या नहीं है।

वार्ड 33 विजय नगर के पार्षद घनश्याम गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की महात्मा गांधी रोड के नाले सफाई नहीं हुई है। मस्जिद रोड पर अतिक्रमण है। अभियन्त्रण विभाग द्वारा 115 मीटर नाला बनना है, जिससे क्षेत्र की समस्या का निराकरण होगा। हमारे वार्ड के 7-8 सफाई कर्मचारी कार्य नहीं करते है।

वार्ड 64 सर्वोदय नगर के पार्षद नीरज वाजपेई ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के 90 प्रतिशत नाले साफ हो गये है। अभियन्त्रण विभाग का नाला साफ हो चुका है। लोक निर्माण विभाग ने रीजेन्सी हॉस्पिटल होते हुए श्रम विभाग कार्यालय तक जाने वाले मार्ग पर 90 डिग्री कोण पर नाला बना दिया गया है, जिसके कारण क्षेत्र में जल भराव बना रहता है।

महापौर द्वारा अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग से दूरभाष पर वार्ता कर समस्या के निराकरण हेतु निर्देश दिये गये।

वार्ड 60 रावतपुर की पार्षद शुभा शुक्ला ने अवगत कराया कि स्वास्थ्य विभाग के 70 प्रतिशत नाले साफ हो गये है। स्वास्थ्य विभाग ने एकता स्वीट हाउस से नमक फैक्टरी तक का नाला अभियन्त्रण विभाग को स्थानान्तरित कर दिया है, किन्तु अभी तक टेण्डर नहीं हुआ है।

अधिशाषी अभियन्ता, जोन-6 आर0के0 सिंह ने अवगत कराया कि एकता स्वीट हाउस से नमक फैक्टरी तक का नाला विभागीय आधार पर साफ करायेंगे।

वार्ड 8 मसवानपुर की पार्षद मंजू कुशवाहा ने कहा कि मसवानपुर चूड़ी वाली गली में अतिक्रमण के कारण सफाई नहीं हो पा रही है। 24 घंटे पानी भरा रहता है।

सफाई निरीक्षक सोबरन सिंह ने उक्त नाले में सिल्ट जमा है, जिसके कारण सफाई परेशानी हो रही है, पानी तो निकल जमा जाता है, किन्तु सिल्ट पत्थर जैसी जम गयी है, जिसके कारण समस्या आ रही है।

जेडएसओ जोन-6 विजय शुक्ला ने कहा कि 70 मीटर क्रास पुलिया आरसीसी स्लैब से बनी है, जिसके कारण पानी आगे नहीं जा पा रहा हैं

महापौर ने कहा जब वर्षा हो, तब सिल्ट निकलवाकर सफाई कार्य कराये।

वार्ड 86 काकादेव के पार्षद कमलेश त्रिवेदी ने कहा मेरे क्षेत्र में अभियन्त्रण विभाग का कोई नाला नहीं है। स्वास्थ्य विभाग 5 नाले अभी साफ नहीं हुये हैं।

वार्ड 27 नानकारी के पार्षद सुनील ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का ढाई फुट गहरा नाला साफ नहीं हुआ है। नानकारी का भी बीच का हिस्सा साफ हो गया है आगे का साफ नही हुआ है। गोवा गार्डेन का नाला डेमेज है। अभियन्त्रण विभाग का नाला साफ हो गया है, किन्तु सिल्ट नहीं उठा है। वार्ड 44 ख्योरा की पार्षद कुन्ती रामी विलास निषाद ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग को सीएनजी पेट्रोल पम्प से मैनावती मार्ग पर अतिक्रमण के कारण पानी भरा रहता है। स्वास्थ्य विभाग का 90 प्रतिशत नाला साफ हो गया है।

वार्ड 17 नारामऊ की पार्षद नीलम बाथम ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग का नाला सफाई हो गया है, स्वास्थ्य विभाग 90 प्रतिशत नाला साफ हो गया है।

वार्ड 19 कल्याणपुर दक्षिण की पार्षद ज्योति पासवान ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग के 30 प्रतिशत एवं स्वास्थ्य विभाग के 20 प्रतिशत ही नाला/नाली सफाई कार्य हुए है। हमारे क्षेत्र मे नाले पर 200 मीटर तक अतिक्रमण है, जिसके कारण पानी भरा रहता हैं। हमारे यहॉ 02 किलोमीटर के नाला सफाई का टेण्डर ही नहीं हुआ है।

वार्ड 91 हरिहरशास्त्री नगर के पार्षद विनोद गुप्ता ने कहा कि अभियन्त्रण विभाग का आधा नाला साफ हो हुआ है। स्वास्थ्य विभाग का 75 प्रतिशत नाला साफ हो गया है।

अधिशाषी अभियन्ता, जोन-6 आर0के0 सिंह ने अवगत कराया कि वार्ड 91 के अन्तर्गत नाले में पत्थर है, सफाई के दौरान 02 मजदूर गिरकर मर गये।

वार्ड 69 सरोजनी नगर के पार्षद अरविन्द यादव ने कहा कि हमारे वार्ड के अभियन्त्रण, स्वास्थ्य विभाग के नाले, नाली साफ हो गये है, पूर्व पार्षद वाली गली में समर्सिबल पम्प वाली जगह पर अतिक्रमण है।

महापौर ने निर्देशित किया अधिकारियों को निर्देशित किया जोन-6 की पुन: 15 दिन बाद बैठक हो होगी, 15 दिन बाद नाला, नाली, सीवर की सफाई सम्बन्धित कोई शिकायत नही मिलनी चाहिए। वार्ड 60 रावतपुर के पार्षद शुभा विनय शुक्ला ने बताया कि दो नाले हैं स्वास्थ्य विभाग से लेकिन उनकी सफाई अतिक्रमण के चलते नहीं हो पाई है जब भी संबंध में शिकायत की गई तो फोर्स नहीं मिलने की बात कह कर टाल दिया गया।

पुलिस के इकबाल पर उठे सवाल!

» भाजपा नेता विक्रम मिश्रा के बंद घर पर हुई चोरी

» चोर सीडीआर भी चुरा ले गए

» सूचना पर पहुंची पुलिस ने की छानबीन

» किसी करीबी पर घूम रही पुलिस के शक की सुई

परिवार व दोस्तों संग दार्जिलिंग घूमने गए भाजपा नेता के घर लाखों की चोरी

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)।कस्बे में वरिष्ठ भाजपा नेता के घर में हुई लाखों की चोरी ने कोतवाली पुलिस के इकबाल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वारदात से न सिर्फ इलाके में सनसनी फैला दी है। बल्कि पुलिस के रात्रि गश्त की व्यवस्था पर भी उंगली उठी है। चोरी की घटना के बाद से इलाकाई लोगों के साथ-साथ भाजपाइयों में भी रोष व्याप्त है।जानकारी के मुताबिक ककवन रोड़ स्थित शांति नगर मोहल्ला निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम मिश्रा बीते 20 जून को अपने बड़े भाई पोरस मिश्रा के पूरे परिवार व अपने दोस्तों के साथ दार्जिलिंग घूमने गए थे। शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने बंद घर को अपना निशाना बना लिया।

चोरों ने नकदी समेत लाखों रूपये के जेवर पर अपना हाथ साफ कर दिया। साथ ही सीसीटीवी सीडीआर भी चुरा ले गए। रविवार घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घर व आसपास छानबीन की। वहीं पुलिस की सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंची और आसपास बारीकी से जांच कर सबूत एकत्र किए। पुलिस ने घटना का जल्द खुलासा करने का दावा किया है।

घर की देखभाल कर रहा था ड्राइवर

जांच करती फॉरेंसिक टीम व ड्राइवर से पूछताछ करते कोतवाल अशोक सरोज

दार्जिलिंग घूमने गए विक्रम मिश्रा ने घर की देखभाल के लिए वैष्णो नगर मोहल्ला निवासी अपने कार चालक रामशरण सेठ को रखा था। वह शाम होते ही घर की बिजली को जलाने व सुबह बंद करने जाता था। रविवार शाम जब वह लाइट खोलने गया और घर को चेक किया तो एक कमरे के दरवाजे पर खरोच थी। उसने अंदर जाकर देखा तो बिखरा हुआ सामान देखकर चोरी की जानकारी हुई।

25 को आएगा परिवार

बाहर पहाड़ी इलाकों में परिवार व दोस्तों संग घूमने गए विक्रम मिश्रा ने स्वराज इंडिया से फोन पर बातचीत करते हुए बताया कि वे पहाड़ी इलाकों मे हैं। तत्काल फ्लाइट की कोई टिकट नहीं मिल रही है। ट्रेन द्वारा 25 तक बिल्हौर आ जाएंगे। तभी थाने में तहरीर देंगे। उन्होंने बताया इंस्पेक्टर उनसे लगातार सम्पर्क बनाए हुए हैं।

घटना की जानकारी देता ड्राइवर रामशरण

मोहल्ले में रोष, पुलिस के इकबाल पर उठे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस सिर्फ वर्दी पहनकर घूम रही है, हकीकत में इलाके की सुरक्षा भगवान भरोसे है। भाजपा नेता का घर तक सुरक्षित नहीं, तो आम लोगों का क्या भरोसा।

प्रशासन पर दबाव

भाजपा नेता के घर चोरी की घटना ने पुलिस प्रशासन पर चौतरफा दबाव बना दिया है। अब देखना होगा कि क्या पुलिस जल्द से जल्द चोरों को पकड़ने में कामयाब होती है या फिर यह मामला भी बाकी घटनाओं की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

खेतों से पंपिंग सेट के पुर्जे चोरी

रविवार देर रात नानामऊ तिराहे के आसपास खेतों में करीब आधा दर्जन पंपिंग सेट के पुर्जे चोर खोल ले गए। सुबह खेत पहुँचे किसानों को इसकी जानकारी हुई। इस मामले में भी पुलिस जाँच कर रही है।

सवालों के घेरे में पुलिस चौकसी पूर्व में घट चुकी कई वारदातें

केस-1

माखनपुरवा में एक रात, पाँच घरों में सेंध

माखनपुरवा गांव में तो चोरों ने दुस्साहस की हद पार करते हुए एक ही रात पांच घरों को निशाना बना डाला। लाखों की चोरी हुई, मगर पुलिस अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी।

केस-2

चंपतपुर के स्कूल को भी नहीं छोड़ा

हाल ही में चंपतपुर गांव के एक परिषदीय विद्यालय में ताला तोड़कर चोरों ने कीमती दस्तावेज और सामग्री चुरा ली।

स्कूल जैसे सार्वजनिक संस्थान तक अब सुरक्षित नहीं रह गए।

केस-3

बिरिहाना गांव में नींद में लुटा घर

बीते 19 जून,2025 को बिरिहाना गांव में एक किराना कारोबारी के घर से चोरों ने रात के अंधेरे में चोरी की वारदात को अंजाम दे डाला।

लाख रुपये की नकदी और सामान पर हाथ साफ किया।वारदात उस समय हुई जब परिवार के सदस्य गर्मी की वजह से छत पर सो रहे थे।

मिट्टी खनन में तय हुआ था 'मुनाफे का सौदा'

» मिट्टी खनन में तय हुआ था 'मुनाफे का सौदा'

» मिट्टी की बिक्री से 'आधा-आधा' बंटवारा तय था, फिर भी कार्रवाई अधूरी

राजस्व भूमि से अवैध खनन, आरआरसी सेंटर में बड़ा गड्ढा डीपीआरओ ने की मौके पर जांच

जांच करते डीपीआरओ एवं विभागीय सहयोगी

उक्त प्लाट धारक को बेची गई मिट्टी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चौबेपुर ब्लॉक के राय गोपालपुर गांव में ग्राम प्रधान राजेश कुमार द्वारा किए गए अवैध मिट्टी खनन का मामला अब और भी गंभीर रूप ले चुका है। जहां पहले यह मुद्दा केवल अवैध खनन और सरकारी संपत्ति के नुकसान तक सीमित था, अब सूत्रों से मिली जानकारी ने भ्रष्टाचार के इस मामले को सौदेबाजी में बदल दिया है।

जानकारी के अनुसार, मिट्टी की खुदाई ग्राम प्रधान राजेश कुमार के इशारे पर एक अज्ञात युवक द्वारा कराई गई, जिसके साथ प्रधान का स्पष्ट मौखिक समझौता था ।

मिट्टी बेचने के बाद लागत काटकर जो भी मुनाफा होगा, वह आधा-आधा बांटा जाएगा।

यह खनन ग्राम पंचायत की भूमि से किया गया, जिसे नाले की खुदाई बताकर निजी प्लॉट में भरने के लिए बेच दिया गया।

राजस्व विभाग की जांच में यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि कोई वैध आदेश या अनुमति मौजूद नहीं थी। आरआरसी सेंटर के अंदर खुदाई से एक बड़ा गड्ढा बना, जिसे बाद में मिट्टी खरीदने वाले ने पाटने का आंशिक प्रयास किया, लेकिन अब भी वहां खुदाई के निशान मौजूद हैं।

यह सेंटर ग्रामीण स्वच्छता मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से बना था, जो अब भ्रष्टाचार और अनदेखी का शिकार हो चुका है।

डीपीआरओ मनोज कुमार का बयान

ग्राम प्रधान द्वारा कराए गए अवैध खनन की पुष्टि जांच में हो चुकी है। रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है और जल्द ही संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब जांच पूरी हो चुकी है, तो दोषियों पर कार्रवाई क्यों लंबित है?ग्रामीणों में आक्रोश है कि जब कोई गरीब व्यक्ति निजी उपयोग के लिए कुछ बोरी मिट्टी उठा लेता है, तो प्रशासनिक अमला तुरंत कार्रवाई करता है। पर यहां जहां लाखों की मिट्टी बेची गई, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा, वहां अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं, न ही कोई दंडात्मक कदम उठाया गया है।ग्रामीणों का कहना है देरी साबित करती है कि इस पूरे प्रकरण में प्रशासन के कुछ जिम्मेदार लोग भी संदेह के घेरे में हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या वाकई दोषियों पर कार्रवाई होगी या यह मामला भी फाइलों में दब जाएगा।

आरोपी ग्राम प्रधान राजेश कुमार

सम्पादकीय

राजनीतिक मतभेद भुला प्राथमिकताएं तय हों

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है।

यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है।लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था।

सरकार व समाज मिलकर निकालें समाधान

दीपक कुमार शर्मा

भारत में विश्व की 36 प्रतिशत रैबीज मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल देश में 20,000 से अधिक लोग रैबीज से मरते हैं। दरअसल, रैबीज से होने वाली मौतों में 99 प्रतिशत मामले कुत्ते काटने के होते हैं।

भारत में गली-कूचों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या एक गंभीर जन-सुरक्षा संकट बन चुकी है। हाल ही में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने उठाया। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए एक नेशनल टास्क फोर्स गठित करने की मांग की। बताया जाता है कि भारत में करोड़ों आवारा कुत्ते गंभीर चुनौती का सबब बने हुए हैं। कई शहरों में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है, लेकिन प्रशासन के पास इस संकट के समाधान के लिये कोई प्रभावी नीति नहीं है।

वर्ष 2012 की लाइवस्टॉक सेंसस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 1.7 करोड़ आवारा कुत्ते थे, लेकिन 2019 तक यह संख्या बढ़कर 6.2 करोड़ हो गई। कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए सरकार की एबीसी (एनीमल बर्थ कंट्रोल) योजना है, लेकिन इसे प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया जा रहा। देश में हर साल 1.75 करोड़ से अधिक लोग कुत्तों के हमलों का शिकार होते हैं। भारत में विश्व की 36 प्रतिशत रैबीज मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल देश में 20,000 से अधिक लोग रैबीज से मरते हैं। दरअसल, रैबीज से होने वाली मौतों में 99 प्रतिशत मामले कुत्ते काटने के होते हैं।

रैबीज एक जानलेवा बीमारी है और इसका कोई इलाज नहीं है। रैबीज का एकमात्र समाधान टीकाकरण और जानवर आबादी नियंत्रण है। लेकिन भारत में 80 प्रतिशत से अधिक आवारा कुत्तों का कोई टीकाकरण नहीं होता। इसके कारण संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गली के कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। छोटे बच्चे और बुजुर्ग इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। कुत्तों के हमले की कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई लोगों की जान तक चली गई। आवारा कुत्ते कचरे के ढेर में खाना खोजते हैं, जिससे गंदगी फैलती हैं। साथ ही अन्य बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ता है। खुले में भोजन की तलाश करने वाले ये कुत्ते अन्य जीव-जंतुओं पर भी हमला करते हैं, जिससे उनमें भी रैबीज फैलने का खतरा बढ़ जाता है।अब तक भारत में कोई समग्र राष्ट्रीय नीति नहीं है जो इस समस्या का समाधान कर सके। वहीं स्थानीय निकायों के पास भी इस मुद्दे से निपटने की कोई ठोस रणनीति नहीं है। इसी कारण सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रधानमंत्री से नेशनल टास्क फोर्स बनाने की अपील की है। टास्क फोर्स में केंद्र, राज्य सरकारें, नगर निकाय, पशु चिकित्सा विशेषज्ञ और एनजीओ को शामिल करने की मांग की गई है। आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नीति बनाने के अलावा टीकाकरण कार्यक्रम को तेज करने के साथ?ही आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की जरूरत है। सरकार को राज्य और जिला स्तर पर नसबंदी केंद्र बनाने चाहिए।डब्ल्यूएचओ के 2030 तक रैबीज मुक्त भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक टीकाकरण अभियान चलाना चाहिए। अस्पतालों में मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराई जाए। साथ?ही स्ट्रे डॉग शेल्टर बनाने के लिए अनुदान दिया जाए। एनिमल हेल्थ सेंटर बनें, जहां घायल-बीमार आवारा कुत्तों का इलाज हो सके।

मुंबई हमले की साजिश के सूत्रधार तहव्वुर-हेडली

इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल

वप्पला बालचंद्रन

अमेरिकी अदालती कार्यवाही में तहव्वुर व हेडली के बीच घनिष्ठता के सबूत मिले। राणा की ट्रैवल एजेंसी द्वारा मुहैया 'कवर' ने हेडली को वीजा देकर भारत की लगातार यात्राएं करवायीं। राणा ने हेडली को अपनी आव्रजन परामर्श फर्म का विदेशी प्रतिनिधि दिखाकर व मुंबई में कार्यालय खोलकर अंडरकवर आतंकवादी टोही अभियान चलाने में मदद की।

डेविड कोलमैन हेडली और तहव्वुर राणा की यारी तब से है, जब वे दोनों पाकिस्तान में कुलीन सैन्य शिक्षा संस्थान हसन अब्दाल कैडेट कॉलेज में साथ पढ़ते थे। आगे चलकर, तहव्वुर राणा ने हेडली की गुप्त आतंकवादी टोही गतिविधियों को 'कवर' मुहैया करवाया।

हेडली, जिसका जन्म वाशिंगटन डीसी में दाऊद गिलानी के रूप में हुआ था, वह रेडियो प्रसारक पाकिस्तानी पिता सैयद सलीम गिलानी और अमेरिकी मां सेरिल हेडली का बेटा है। डेविड बचपन में परिजनों के साथ पाकिस्तान आ बसा। उसकी मां का तलाक हो गया और सेरिल वापस अमेरिका लौट गई। वर्ष 2013 में शिकागो में उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही से पता चलता है कि दाऊद उर्फ डेविड 'पाकिस्तानी राष्ट्रवाद और इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल' में पला-बढ़ा। हेडली के अनुसार, भारत के प्रति उसकी नफरत 1971 में शुरू हुई, जब भारत-पाक युद्ध के दौरान कराची पर हमले के दौरान एक भारतीय बम भटककर उसके प्राथमिक स्कूल पर जा गिरा और दो लोग मारे गए।17 साल की उम्र में, हेडली अपनी पाकिस्तानी सौतेली मां से झगड़ा होने के बाद फिलाडेल्फिया में अपनी असली मां के पास लौट गया। अमेरिका, पाकिस्तान और जर्मनी में नशीली दवाओं की लत के कारण 1988 में उसका पाला कानून से पड़ा, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। आगे चलकर, अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन एजेंसी (डीईए) ने उसे बतौर एक मुखबिर भर्ती कर लिया। 1998

में डीईए ने उसे अंडरकवर एजेंट के रूप में पाकिस्तान भेजा। उस अवधि के दौरान, उसके संबंध लश्कर-ए-तैयबा के साथ बन गए। वह बताता है कि उसने अमेरिकी अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पाकिस्तान की यात्राएं कीं। वर्ष 2000 में उसकी मुलाकात लश्कर के आध्यात्मिक गुरु हाफ़िज़ सईद से हुई। वर्ष 2001 में उसने फिर से एक और साल के लिए डीईए के साथ 'अनुबंध साइन अप' किया। इसने उसे भारतीय उपमहाद्वीप की लगातार यात्राएं करने के मौके प्रदान किए।'प्रो-पब्लिका' के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टीफन टैंकेल ने दुनिया के सामने 26/11 कांड के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली, उसके दोस्त तहव्वुर हुसैन राणा और आईएसआई के बीच गुप्त संबंधों को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाई। जिसकी हवा अमेरिकी स्रोतों ने आधिकारिक तौर इससे पहले नहीं लगने दी।2012 में नेशनल जियोग्राफ़िक चैनल द्वारा 26/11 हमले पर बनाई डॉक्यूमेंट्री 'सेकंड्स टू डिजास्टर - द मुंबई मैसेकर' में स्टीफन टैंकेल और मेरे विचार शामिल किए गए थे। उस साल वे लश्कर-ए-तैयबा पर अपनी पुस्तक 'स्टॉर्मिंग द वर्ल्ड स्टेज' का विमोचन करने मुंबई आए थे, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की आईएसआई के बीच घनिष्ठ संबंधों का खुलासा था, जिसके वास्ते तथ्य उन्होंने 2009 में पाकिस्तान एवं भारत में वास्तविक धरातल पर किए खोज-कार्य से जुटाए थे। वर्ष 2017 में उन्होंने नेशनल प्रेस क्लब, वाशिंगटन डीसी में मेरी किताब 'कीपिंग इंडिया सेफ' पर चर्चा सत्र की अध्यक्षता की थी। सेबेस्टियन रोटेला को व्यक्तिगत रूप से मैं जून, 2013 में ही जान पाया था, जब वे पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेस के वास्ते 2011 में बनाई अपनी डॉक्यूमेंट्री 'ए परफेक्ट टैरेरिस्ट' के द्वितीय अंक के लिए मेरा इंटरव्यू रिकॉर्ड करने मुंबई आए थे। पहले अंक में हेडली का मुंबई और डेनमार्क से राब्ता कैसे बना, यह बताया गया था। वह यह जांच भी कर रहे थे कि अमेरिकी एजेंसियों ने हेडली की संलिप्तता और भारत की लगातार यात्राओं के बारे में भारतीय अधिकारियों को सतर्क क्यों नहीं किया, जबकि एक अमेरिकी राजनयिक अधिकारी ने इस्लामाबाद में उसकी पत्नी से पूछताछ करने के बाद एफबीआई, डीईए और सीआईए को इसकी सूचना दी थी।

जनवरी, 2013 में अमेरिकी शिकागो जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैरी लीनेनवेबर ने डेविड कोलमैन हेडली को मुंबई नरसंहार की साजिश के हिस्से के तौर पर पूर्व-टोही अभियान में उसकी गहरी संलिप्तता के कारण 35 साल की जेल की सजा सुनाई। शिकागो में गवाहों में अमेरिकी लेखिका लिंडा रैग्सडेल भी शामिल थीं।

बार कौंसिल यूपी के उपाध्यक्ष अनुराग पांडेय ने विजयी पदाधिकारियों को दिए प्रमाण पत्र

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर देहात)। बार कौंसिल उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष अनुराग पांडेय ने रसूलाबाद लायर्स एसोसिएशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष अरविंद राठौर व पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में जीत का प्रमाण पत्र देते हुए कहा कि वकीलों को न्यायपालिका की रीढ़ माना जाता है और उन्हें अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। उन्होंने वकीलों से न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा करने का आग्रह किया।

» बार कौंसिल उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग पांडेय ने कार्यालय में विधि पुस्तकों के लिए दी 2 लाख रुपये की चेक

» रसूलाबाद में लायर्स एसोसिएशन पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण में जुटे दिग्गज

इस अवसर पर अनुराग पांडेय ने वकीलों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने लायर्स एसोसियेशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष अरविंद कुमार को कार्यालय में स्टेशनरी विधि की पुस्तकें खरीदने के लिए 2 लाख रुपये की चेक देते हुए कहा कि वकील बंधुओं के लिए मेरे दरवाजे हर समय खुले रहते है ।

उन्होंने किसी भी अधिवक्ता साथी की मौत पर 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की बात भी कही। इससे पहले नव निर्वाचित अध्यक्ष अरविंद कुमार राठौर व महामंत्री धीरेंद्र प्रताप सिंह व सर्वेश पाल द्वारा पूर्व अध्यक्ष एकीकृत बार एसोसिएसन वरिष्ठ अधिवक्ता विश्वनाथ कटियार महामंत्री देवेंद्र मिश्रा उर्फ भोला वर्तमान महामंत्री अमर सिंह भदौरिया कानपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रहे सतीश पाल दिलीप सिंह कुशवाहा राजेश सिंह नरेंद्र राठौर रघुराज सिंह राठौर कानपुर जिला बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री राकेश तिवारी का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया ।

इस मौके पर जनपद के वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र राठौर विनोद कुमार त्रिपाठी लायर्स एसोसिएसन के पूर्व अध्यक्षों संतोष यादव संतोष सिंह गौर बलराम सिंह चौहान कुलदीप अवस्थी महेश चंद्र बर्मा दया राम पाल गोपाल गुप्ता उर्फ राज गुप्ता उदयवीर सिंह चौहान प्रदीप कुमार शर्मा सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे ।

योग केवल व्यायाम नहीं,यह जीवन जीने की कला है- लकी जैन

» आरपीएस स्कूल में योग दिवस पर छात्रों को मिली स्वास्थ्य की सीख

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर-मकनपुर स्थित आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शिक्षकों और छात्रों ने मिलकर योग दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली के प्रति जागरूक करना और योग को उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना था। इस अवसर पर शिक्षकों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम व विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया साथ ही लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने भी पूरे मनोयोग से इन अभ्यासों में भाग लिया।

स्कूल की प्रधानाचार्य लकी जैन ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, यह जीवन जीने की कला है जो मानसिक और शारीरिक रूप से हमें स्वस्थ रखता है। यह देखकर प्रसन्नता होती है कि शिक्षक इस दिन को पूरी लगन से मना रहे हैं और छात्रों को प्रेरित कर रहे हैं।

स्कूल की निदेशक आरती कटियार ने कहा कि योग हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, जो हमें शांति और एकाग्रता सिखाता है। हमारे विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाता है और योग इसमें अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को न सिर्फ योग का अभ्यास कराया गया बल्कि उन्हें अनुशासित और स्वस्थ जीवन की दिशा में प्रेरित भी किया गया।

‘विष कन्या नेटवर्क’ पर बिल्हौर और अरौल पुलिस एक्शन मोड में!

» दोनों थाना क्षेत्रों के इंस्पेक्टरों ने लिया संज्ञान

» अरौल इंस्पेक्टर ने कहा नेटवर्क की कड़ियां तलाश रहे

» बिल्हौर इंस्पेक्टर ने कहा जल्द लगाम लगाते हैं

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। स्वराज इंडिया की पड़ताल सुरमई रातों की स्याह तिजारत और विष कन्या नेटवर्क के खुलासे के बाद बिल्हौर और अरौल थाना पुलिस हरकत में आ गई है। दोनों क्षेत्रों के थानाध्यक्षों ने इस मामले को गंभीरता से ले लिया है। स्थानीय खुफिया इकाई और बीट पुलिस को सक्रिय कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस अब पार्लर, होटलों और संदिग्ध ठिकानों पर निगरानी बढ़ा रही है। खासकर वो चार सक्रिय अड्डे जिस पर उस सुंदरी का ठहराव रहता है।

पुलिस उन लड़कों पर भी नज़र बनाए है जो उस नशे में चकनाचूर हो चुके हैं। और रात को रंगीन करने के लिए उस हसीना के टच में आते हैं।

क्या मास्टर माइंड तक पहुंच पायेगा क़ानून?

बिल्हौर- प्रशासन की सक्रियता से सवाल यह उठता है कि क्या इस नेटवर्क के

स्वराज इंडिया
Swaraj India
21 Jun 2025 - Page 8

देह व्यापार — काली परछाई,अब और गहराई--

बिल्हौर-अरौल तक फैला हुआ है विष कन्या का नेटवर्क

» युवाओं के साथ डॉक्टर भी बन चुका शिकार

» पार्लर से रसूखदारों तक हो रही सप्लाई

» विष कन्या के चार सक्रिय अड्डे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ‘सुरमई रातों की स्याह तिजारत’ वाली रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद दैनिक स्वराज इंडिया अख़बार के पास लगातार सूचनाएं आ रही हैं। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि वही युवती अब बिल्हौर के साथ अरौल, मकनपुर क्षेत्र तक अपनी ‘सप्लाई चेन’ फैला चुकी है।

सुरमई रातों की स्याह तिजारत, बिल्हौर में गुनाह की खामोश दस्तक

सूत्रों की मानें तो यह युवती पिछले एक साल से सक्रिय है और बीते छह महीनों में इसकी गतिविधियां बेहद तेज़ हुई हैं। नानामऊ तिराहा, पेट्रोल पंप के सामने और रेलवे स्टेशन तथा ब्लॉक कार्यालय वाली गली यह चारों इसके सक्रिय अड्डे बताए जा रहे हैं।फोन या व्हाट्सएप कॉल पर बुलाओ और तय टाइम पर हाज़िर,यही इसकी शैली है।

इस युवती के संपर्क में न सिर्फ कस्बे के युवा आए हैं, बल्कि यह सुंदरी एक स्थानीय डॉक्टर को भी 20 हजार की ठगी में उलझा चुकी है। व्यापारी वर्ग और कॉलेज के छात्र इसकी लत में फंसते जा रहे हैं। नशे की लत इसमें शामिल है, जिससे और भी खतरा बढ़ गया है। अब देखना है अफसर क्या कार्रवाई करते हैं।

पार्लर की आड़ में रैकेट, रसूखदार ग्राहक

स्वराज इंडिया से एक युवक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कस्बे के एक ब्यूटी पार्लर से रसूखदार लोगों तक लड़कियां भेजी जाती हैं।

बाकायदा एक दलाल है जो बड़े लोगों से संपर्क में रहता है और डील फिक्स करता है। यह पूरा नेटवर्क सुनियोजित तरीके से चलता है जिसमें पार्लर, दलाल और ग्राहक तीनों की मिलीभगत बताई गई हालांकि स्वराज इंडिया इसकी पुष्टि नहीं करता है।

ओयो होटलों की अचानक आई बाढ़

बिल्हौर तहसील के एक अधिवक्ता ने बताया कि बिल्हौर कस्बे और ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों ओयो होटल खुलने की बाढ़ आई हुई है।अब सोचिए इन होटलों पर क्या होता होगा। होटलो के आसपास दुकानदारों ने बताया कि मुँह ढक कर लड़के लड़कियों का आना जाना लगा रहता है। होटल वाले थोड़े से लालच में इनकी आईडी भी नहीं मांगते हैं। जिसके कारण इसे और बढ़ावा मिलता है।

स्वराज इंडिया की बराबर रहेगी नेटवर्क पर नजर

दैनिक स्वराज इंडिया इस पूरे नेटवर्क पर नज़र बनाए हुए है।आपकी भी जिम्मेदारी है कि सच बोलने में डरें नहीं। अगर आपके पास कोई जानकारी है तो गुप्त रूप से साझा करें। ताकि समाज को मीठा जहर देने वाली इस बुराई को हम दूर कर सकें।

पीछे के मास्टरमाइंड तक पहुंच पायेगा क़ानून या फिर चुप हो जाएंगी सुरमई रातें...?

तो एक ऑटो वाला हाथ गंदे किए है

स्वराज इंडिया की पड़ताल में एक खुलासा और हुआ।

नाम न छापने की शर्त पर एक युवक ने बताया कि उस विष कन्या को एक ठिकाने से दूसरे ठिकाने तक पहुंचाने के लिए बाकायदा एक ऑटो वाला उसका सागिर्द है। जो आमदनी के साथ-साथ अपने हाथ भी गंदे किए है।

सेंगुर नदी में डूबे दो मित्र गांव में पसरा मातम

» फतेपुर गांव के पास हुआ हादसा, एसडीआरएफ और पुलिस कर रही रेस्क्यू ऑपरेशन

» दीपक और रोहित नदी में समाए, गांव में पसरा मातम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को हिला दिया। फतेपुर गांव के पास सेंगुर नदी में नहाते समय दो युवक—दीपक (27) निवासी फतेपुर और रोहित (21) निवासी जरौली—गहरे पानी में डूबकर लापता हो गए।

दोनों अपने दोस्तों के साथ नहाने आए थे, लेकिन अचानक संतुलन बिगड़ने से वे नदी के गहरे हिस्से में चले गए। दोस्तों ने एक युवक को बचा लिया, लेकिन दीपक और रोहित का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

घटना की जानकारी मिलते ही डेरापुर थाने की पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और खोजबीन शुरू की, लेकिन एक घंटे की मशक्कत के बावजूद सफलता नहीं मिली। डेरापुर थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि स्ष्ठक्रस्न (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीम को बुला लिया गया है और उनके पहुंचते ही सर्च ऑपरेशन को और तेज किया जाएगा। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजन बेसुध हैं और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है और रेस्क्यू अभियान जारी है।

समाजवादी पार्टी के नेताओं ने आर्थिक मदद कर बांटा दर्द

» पत्रकार समेत तीन मृतकों के परिजनों को सपा अध्यक्ष ने भेजे एक-एक लाख के चेक

» सपा नेता बेरिया और नीलम कठेरिया ने घर-घर जाकर सौंपे सहायता चेक

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विभिन्न हादसों में जान गंवाने वाले तीन परिवारों के जख्मों पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मरहम लगाया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए की आर्थिक मदद भेजी।

रसूलाबाद के मौजमपुर निवासी पत्रकार रजनेश कुमार की 26 जून को सड़क हादसे में मौत हो गई थी,

जबकि बगुलाही के अमित कुमार की मौत पुलिस लाठीचार्ज में और चंदानिवादा निवासी मनोज कुमार के 12 वर्षीय बेटे रोहित की डूबने से जान चली गई थी।

इन घटनाओं की जानकारी मिलते ही अखिलेश यादव ने मानवीय संवेदनाएं दिखाते हुए तीनों परिवारों को आर्थिक सहयोग देने का निर्णय लिया।

रविवार को सपा नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया व रसूलाबाद की लोकप्रिय सपा नेत्री नीलम कठेरिया ने पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर चेक सौंपे। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष अरुण कुमार बबलू राजा, कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र बहादुर राजपूत, पूर्व राज्य मंत्री कुलदीप संखवार समेत कई पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। बेरिया ने कहा, ‘जब सत्ता में बैठे लोग पीड़ितों की सुध नहीं ले रहे, तब अखिलेश यादव ने संवेदना और सहयोग का परिचय दिया है।’ वहीं नीलम कठेरिया ने कहा कि अखिलेश यादव हर तबके के लोगों के साथ खड़े हैं, फिर चाहे वो पीड़ित हों, पत्रकार हों या कोई आम नागरिक।

एक ही छत के नीचे लगेंगीं कक्षाएं 30 करोड़ की लागत से बनेगा सीएम विद्यालय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, समावेशी और भविष्य उन्मुख बनाने के लिए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय योजना की शुरुआत कर दी है। पहले चरण में कानपुर देहात समेत 39 जिलों में इन अत्याधुनिक विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है, जबकि 10 अन्य जिलों में भी जल्द ही काम शुरू होने वाला है। कुल 75 जिलों में हर जिले में दो-दो मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने की योजना है। ये विद्यालय 5 से 10 एकड़ क्षेत्रफल में, करीब 30 करोड़ की लागत से बनाए जा रहे हैं, जिनमें प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की पढ़ाई एक ही परिसर में होगी। भूमि चयन और वित्तीय स्वीकृति की प्रक्रिया शेष जिलों के लिए अंतिम चरण में है।

- प्रदेश के 39 जिलों में शुरू हुआ निर्माण, 75 जिलों में होंगे दो-दो कंपोजिट स्कूल
- स्मार्ट क्लास से लेकर मिनी स्टेडियम तक शिक्षा और कौशल विकास का मॉडल बनेगा स्कूल

इन विद्यालयों को न केवल पढ़ाई बल्कि कौशल विकास, खेलकूद और सुरक्षा के मॉडल केंद्र के रूप में तैयार किया जा रहा है। हर विद्यालय में 30 स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, आधुनिक विज्ञान

प्रयोगशाला, मिनी स्टेडियम, खेल मैदान और वर्कशॉप्स की व्यवस्था होगी। साथ ही शिक्षकों के लिए आवासीय सुविधा, षष्टअङ्ग निगरानी और वाई-फाई से लैस पूरा परिसर होगा।

सरकार ने निर्माण कार्य के लिए छह विभिन्न एजेंसियों को जिम्मेदारी दी है ताकि निर्माण कार्य तेज़ी से और गुणवत्ता के साथ पूरा हो सके। रामपुर, रायबरेली, मैनपुरी, बहराइच, गाजीपुर, गौतमबुद्धनगर, सुल्तानपुर और कानपुर देहात समेत जिन 39 जिलों में काम शुरू हुआ है, वहां ये विद्यालय शिक्षा के साथ भविष्य का आधार बनेंगे।

गांव से स्कूल छीनना मतलब भविष्य से उजाला छीनना

- गांव का स्कूल केवल शिक्षा नहीं, पूरे समाज की सांस्कृतिक धड़कन है
- कम नामांकन के आधार पर स्कूल बंद करना गांव की आत्मा का विसर्जन है

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। गांव में स्कूलों की मौजूदगी केवल शिक्षा की सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की रीढ़ होती है। स्कूल न सिर्फ बच्चों को ज्ञान और कौशल देते हैं, बल्कि वे पूरे समुदाय की गतिविधियों का केंद्र भी होते हैं।

स्वतंत्रता दिवस की प्रभात फेरियों से लेकर स्वच्छता अभियान और महिला सशक्तिकरण बैठकों तक, गांव में होने वाले अधिकांश आयोजन विद्यालय परिसर में ही संपन्न होते हैं। शिक्षक प्रवीण त्रिवेदी के अनुसार, गांव का विद्यालय सबसे जीवंत, अनुशासित और भरोसेमंद स्थान होता है।

काम पर जाते माता-पिता को यह संतोष होता है कि उनका बच्चा सुरक्षित और सकारात्मक माहौल में है। ऐसे में स्कूल का बंद होना केवल भवन का हटना नहीं, पूरे गांव की सामाजिक चेतना का मौन हो जाना है।

संख्या नहीं, संवेदना है शिक्षा की असली कसौटी

अब केवल कम नामांकन को आधार बनाकर स्कूलों को बंद करने या मर्ज करने के प्रस्ताव आ रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक है। यह मर्जर दरअसल गांव की आत्मा का विसर्जन है। चाहे किसी गांव में दस ही बच्चे क्यों न हों, उनके लिए वही विद्यालय जीवनरेखा है। शिक्षा नीति का उद्देश्य गिनती घटाना नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास के साथ हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना होना चाहिए। स्कूल हटाना नहीं, संसाधन और शिक्षक बढ़ाना ही समाधान है। पेयरिंग का तात्कालिक लाभ हो सकता है, लेकिन इसका दीर्घकालिक नुकसान बालिकाओं की शिक्षा, सामाजिक एकता और गांव की आत्मनिर्भरता पर गहरी चोट करेगा। यदि स्कूल बंद हुए, तो आने वाले समय में गांव केवल नक्शे में बचेंगे बिना आत्मा, बिना जीवन के।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अकबरपुर इंटर कॉलेज प्रबंधन पर रामलीला कमेटी के गंभीर आरोप

अनूप अवस्थी/ स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अकबरपुर इंटर कॉलेज के साइकिल स्टैंड वाली जमीन पर नगर पंचायत द्वारा की गई बुलडोजर कार्रवाई का विवाद और बढता जा रहा है। वहीं, अब रामलीला कमेटी ने समाधान दिवस में शिकायत देकर कॉलेज प्रबंधन पर आरोप लगाए हैं कि 150 साल पुरानी रामलीला की संपत्ति को छतिग्रस्त किया जा रहा है। कॉलेज प्रबंधन और रामलीला कमेटी के बीच शुरू हुई 'जंग' के पीछे असली वजह क्या है, इसको लेकर स्थानीय लोग अलग-अलग ढंग से आंकलन कर रहे हैं।

» रामलीला कमेटी के अध्यक्ष ने एसडीएम को पत्र देकर कॉलेज प्रबंधन पर संपत्ति नष्ट करने सहित मनमानी करने के लगाए आरोप

» कमेटी के आरोप हैं कि कॉलेज प्रबंधन 150 साल पुरानी रामलीला के स्वरूप को बिगाडना चाहता है

» कॉलेज प्रबंधक विवेक द्विवेदी ने कहा कि आरोप निराधार हैं, दबाव बनाने की राजनीति

करीब 150 वर्ष पुरानी अकबरपुर की श्रीराम लीला पूरे प्रदेश में विख्यात है। कमेटी के अध्यक्ष प्रशांत ओमर ने कई सदस्यों के साथ समाधान दिवस में एसडीएम अकबरपुर को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि रामलीला कमेटी की राजस्व ग्राम अकबरपुर शहरी तहसील अकबरपुर में आराजी गाटा संख्या 76, रकबा 1.2290 हेक्टेयर खाता संख्या 100 व आराजी गाटा संख्या 77 रकबा 0.0310 हेक्टेयर जमीन है। गाटा संख्या 76 पर रामलीला कमेटी की ओर से मंच, रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद, अशोक वाटिका, बुजुर्गी कुआं है। तकरीबन एक माह तक हर वर्ष मेला, रामलीला का मंचन होता है। उक्त भूमि पर अकबरपुर इंटर कॉलेज संचालित किया जा रहा है। प्रबंध समिति रामलीला कमेटी की भूमि-संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने का कार्य कर रहा है। आरोप हैं कि रामलीला कमेटी की भूमि पर प्रबंधक रमाकांत मिश्रा, नरेंद्र द्विवेदी और उनके पुत्र विवेक द्विवेदी और मंत्री अशोक त्रिवेदी प्रधानाचार्य सहित अन्य लोगों के द्वारा नगर पंचायत की नोटिस पर अस्थाई ठेकेदार से मुख्यमंत्री अनुदान योजना से जर्जर भवन को तोडकर 1 करोड 25 लाख रूपए से कमरों सहित अन्य निर्माण करवाया जा रहा है। कमेटी का दावा है कि जर्जर कमरों को तोडने के दौरान रामलीला कमेटी संपत्तियों को छतिग्रस्त कर दिया गया और कुंभकरण का चबूतरा आदि मशीनों से नष्ट किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों को आक्रोश है। वहीं, कॉलेज प्रबंधन ने स्थानीय तालाब पर भी कब्जा कर लिया गया है। उक्त बिंदुओं की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।

कॉलेज प्रबंध समिति पर काबिज होना चाहते हैं-विवेक द्विवेदी

रामलीला कमेटी द्वारा अकबरपुर इंटर कॉलेज प्रबंधन पर लगाए गए आरोपों को लेकर विवेक द्विवेदी से 'स्वराज इंडिया संवाददाता' ने बात की। उन्होने कहा कि रामलीला कमेटी बायलॉज के तहत ही इंटर कॉलेज संचालित किया जा रहा है। जर्जर कमरों का पुनःनिर्माण किया जा रहा है, नई जमीन पर कोई निर्माण नहीं हो रहा है, रामलीला की सपंत्ति को छति नहीं हुई है। आरोप हैं कि कुछ लोग कॉलेज प्रबंध समिति में काबिज होना चाहते हैं। इसलिए दबाव बनाया जा रहा है। वहीं, उन्होने दावा किया कि साइकिल स्टैंड वाली जगह बालिका इंटर कॉलेज और तालाब की है। नगर पंचायत का दावा गलत है। समिति हर कानूनी पहलू का जवाब देगी।

नगर पंचायत नियमानुसार कार्य कर रही-पूर्व चेयरमैन

अकबरपुर इंटर कॉलेज के पास स्थित साइकिल स्टैंड की जमीन पर नगर पंचायत चिल्ड्रेन पार्क का निर्माण करवाने जा रही है। उक्त जमीन को लेकर नगर पंचायत और कॉलेज प्रबंधन अपना दावा ठोंक रहे हैं। वहीं, इस मामले में वर्तमान चेयरमैन दीपाली सिंह के पति पूर्व चेयरमैन गुडडन सिंह ने कहा कि नगर पंचायत नियमानुसार कार्य कर रही है। चिल्ड्रैन पार्क के निर्माण का ठेका दिया गया है, ठेकेदार निर्माण कर रहा है। पार्क से बच्चों और स्थानीय लोगों को ही लाभ मिलेगा।

बाराबंकी से है ईरान के धार्मिक नेता रहे रुहुल्लाह आयतुल्लाह खुमैनी का नाता

स्वराज इंडिया एक्क्लूसिव

अंकित यादव स्वराज इंडिया

- जिले के किंतूर गांव के ही हैं ईरान के सुप्रीम लीडर रुहुल्लाह आयतुल्लाह खुमैनी के पूर्वज
- बाराबंकी जनपद से जुड़ा है ईरान की क्रांति का नाता
- लखनऊ के नवाबों संग ईरान की धार्मिक यात्रा पर गए थे खुमैनी के पूर्वज

बाराबंकी। इस समय इसराइल और ईरान के बीच चल रही जंग में ईरान की चर्चा दुनियां भर में है। ईरान के सुप्रीम धार्मिक नेता रुहुल्लाह आयतुल्लाह खुमैनी के पूर्वजों का उत्तर प्रदेश की जमीं से गहरा नाता रहा है,किन्तुर की धरती से ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता रहे रुहुल्लाह अयातुल्लाह खुमैनी का नाता रहा है। इस गांव के लोग इसराइल के विरोध में हैं और ईरान की जमकर प्रशंसा कर रहे है, हालांकि अयातुल्लाह खुमैनी कभी इस गांव नहीं आए मगर उनके पूर्वजों की पीढ़ियां तमाम दस्तावेजों और यादों को संजोए हुए है। किंतूर से ईरान गए सैयद अहमद मूसवी के पोते रूहुल्लाह खुमैनी के धार्मिक शिष्य ही आज ईरान के सर्वोच्च नेता हैं और इस्राइल से मजबूती से जंग लड़ रहे हैं।

खुमैनी के पूर्वज कि अगर बात करे तो सिरौलीगौसपुर तहसील के किंतूर गांव में सैयद अहमद मूसवी का जन्म हुआ था। पढ़ाई-लिखाई के बाद 1830 में 40 वर्ष की उम्र में अहमद मूसवी अवध के नवाब के साथ धार्मिक यात्रा पर इराक गए। वहां से दोनों ईरान पहुंचे और अहमद मूसवी वहीं के एक गांव खुमैन में बस गए। उनके पूर्वज बताते हुआ कि अहमद मूसवी ने अपने नाम के आगे उपनाम हिंदी जोड़ा ताकि यह अहसास बना रहे कि वह हिंदुस्तान से हैं, उन्हें शेरों शायरी का भी काफी शौख रहा, जिनकी शायरों की चर्चा आज भी होती है, परिवार बताता है कि मूसवी साहब को हिंदी से अत्यधिक लगाव था, जिसके चलते उन्होंने अपने नाम के आगे हिंदी जोड़ा,इसके बाद लोग उन्हें सैयद अहमद मूसवी हिंदी के नाम से जानने लगे। ईरान के पहले सुप्रीम लीडर रुहल्लाह आयतुल्लाह खुमैनी के वंशजों का किंतूर गांव स्थित मकान है, बताते है इसे सैयद वाड़ा के नाम से जाना जाता रहा है, पहले यह बड़ा क्षेत्र हुआ करता था मगर अब सिमट गया है जिसके चलते यह पुष्टि नहीं हो सकती कि खुमैनी के पूर्वज सैयद अहमद मूसवी किस निर्धारित स्थान पर रहते थे। इस गांव में लोग इस्राइल के खिलाफ हैं गांव के लोगों का मानना है कि हमारी सोच अपने देश भारत के साथ है। वर्तमान में चल रहे युद्ध में हम लोग ईरान के साथ हैं। वहां से हमारे पूर्वजों का जुड़ाव जो है। अमेरिका व इसरईल बेगुनाहों का खून बहा रहे हैं। किंतूर गांव में रहने वाले निहाल काज़मी रुहुल्लाह आयतुल्लाह खुमैनी के वंशज बताए जाते हैं। अहमद मूसवी के परिवार में कई विद्वान हुए। उनके पोते रूहुल्लाह का जन्म 1902 में हुआ आगे चलकर यही रूहुल्लाह आयतुल्लाह खुमैनी के नाम से मशहूर हुए।

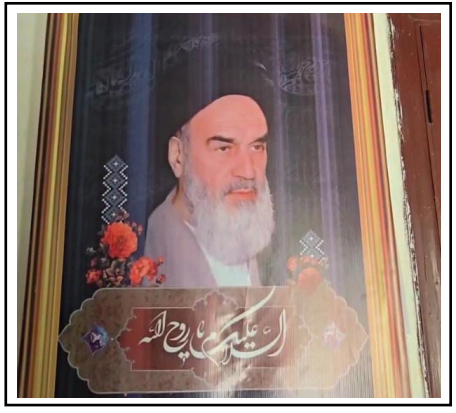

रूहुल्लाह ने ईरान में पहलवी राज खत्म किया था

पिता की मौत के बाद मां और भाई ने मिलकर उन्हें पाला और पढ़ाया रूहुल्लाह बहुत तेज थे। उन्होंने धर्म की पढाई के साथ-साथ दनिया के बड़े दार्शनिकों की किताबें भी पढ़ीं। उस समय ईरान में पहलवी खानदान का राज था। राजा जनता पर जुल्म करता था और पश्चिमी देशों के इशारे पर चलता था। खुमैनी ने इसका खुलकर विरोध किया। फिइसके बाद राजा ने उन्हें देश से निकाल दिया, लेकिन आयतुल्लाह खुमेनी ने अपनी क्रान्ति लगातार जारी रखी और 1979 में ईरान को इस्लामिक गणराज्य बयाया और वहाँ के सुप्रीम लीडर बने ।

गुस्साए बेटे ने पिता पर डाला खौलता पानी

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने पीड़ित पिता को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। टिकैतनगर कोतवाली क्षेत्र में एक बेटे ने अपने पिता को उबलते पानी से झुलसा दिया। यह घटना जमीना गांव में रविवार शाम करीब 4-30 बजे की है।

पीड़ित रामनाथ साहू ने बताया कि उनका बेटा राहुल साहू किसी बात पर नाराज हो गया।

गुस्से में आकर उसने पिता पर उबलता पानी डाल दिया। इसके बाद बाल्टी से भी हमला कर दिया।

घटना के बाद रामनाथ साहू टिकैतनगर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने होमगार्ड विजय शंकर और अशोक की मदद से पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टिकैतनगर पहुंचाया। रामनाथ साहू का इलाज वर्तमान में यहीं चल रहा है।

अयोध्या में 'मनोरंजन' के नाम पर नाबालिग लड़की के साथ अभद्रता

» फनलैंड में शर्मनाक वारदात, कोतवाली नगर की चुप्पी और एसएसपी की सख्ती ने खोली तंत्र की परतें

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। जहाँ भगवान राम की मर्यादा गूंजती हो, वहाँ एक नाबालिग बच्ची की चीखें रात के सन्नाटे में गूंजे इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? रामराज्य के आदर्शों पर गर्व करने वाली अयोध्या की आत्मा आज उस वक्त सिसक पड़ी जब क्षत्रिय बोर्डिंग में लगी फ्फनलैंडफ्र नामक निजी प्रदर्शनी स्थल पर एक मासूम बच्ची के साथ भरी भीड़ में अश्लील छेड़छाड़ और मारपीट की शर्मनाक वारदात हुई। दोषी? कोई राह चलती भीड़ नहीं, खुद आयोजनकर्ता और उसके कथित सुरक्षा गार्ड!

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब 12 से 15 मिनट तक ये अमानवीय कृत्य चला। मौके पर बच्ची का पूरा परिवार मौजूद था, पर चिल्लाने के बावजूद कोई बचाव करने नहीं आया। फनलैंड के संचालक ने हस्तक्षेप तो छोड़िए, घटना को नजरअंदाज कर पुलिस को खबर देना भी ज़रूरी नहीं समझा।

कोतवाली नगर जहाँ एफआईआर से पहले आती है अंदर की सेटिंग

पीड़ित परिवार ने पूरी रात कोतवाली नगर में न्याय की भीख मांगी। लेकिन वहां का रवैया देखकर यही कहा जा सकता है यहां इंसाफ मांगा नहीं, मैनेज किया जाता है। मामले को साधारण विवाद कहकर टालने की कोशिशें होती रहीं। सवाल उठता है क्या पुलिस का यही काम है?

...और तब आया एक असली अफसर का फ़ैसला

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ0 गौरव ग्रोवर ने जब इस घटना की भनक लगते ही संज्ञान लिया, तो प्रशासन की सुस्त नसों में करंट दौड़ गया। न सिर्फ जांच के आदेश दिए गए बल्कि दोषियों को पकड़ने और 'फनलैंड' की कार्यप्रणाली की गहन छानबीन के निर्देश भी दिए गए।

अब सवाल जनता के हैं, जवाब सिस्टम के पास नहीं

फनलैंड में सुरक्षा क्यों नाकाम रही?

नाबालिग से छेड़छाड़ के बाद भी आयोजक खुले क्यों घूम रहे हैं?

कोतवाली नगर की अफसरशाही को किसका डर था?

आयोजक या उसके 'रिश्तों' का?

क्या अयोध्या अब भी सुरक्षित है, या यह पैसे और पहुंच की राजधानी बन चुकी है?

प्रदर्शनी संचालक की सफाई

संचालक की मानें तो सीसीटीवी खराब था, और उन्हें घटना की जानकारी बाद में मिली। वे पीड़िता के संपर्क में हैं और जो गलती कर रहे हैं, उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए। सवाल ये है — क्या यही भाषा होती है एक जिम्मेदार आयोजक की, या ये सिर्फ लीपापोती की घिसीपिटी स्क्रिप्ट है?

रामनगरी में अब एक नया युद्ध छिड़ा है - असली बनाम नकली रामराज्य का।

ये मामला सिर्फ एक बच्ची का नहीं है, ये हर उस मां-बाप का सवाल है जो अपने बच्चों को 'मनोरंजन' के नाम पर अराजकता में नहीं भेजना चाहते।

स्वराज इंडिया की प्रतिज्ञा

हम इस मुद्दे पर न कोई दबाव मानेंगे, न समझौता करेंगे। हम रामनगरी की उस असली गरिमा के साथ खड़े हैं, जो मासूमियत की रक्षा करती है, ना कि उसे प्रदर्शनी की टिकट बना देती है।

इंदिरा नहर में डूबे युवक का शव मिला

» इंदिरा डैम थाना सुशांत गोल्फ सिटी के पास नहर में नहाते समय डूब गया था

स्वराज इंडिया संवाददाता

लखनऊ। इंदिरा नहर में नहाते समय डूबे युवक का शव दो दिन बाद बरामद हुआ है। मृतक की पहचान चरस मंडी हाथी खाना थाना नाका निवासी शिवम शर्मा (27) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, शिवम 21 जून की शाम को इंदिरा डैम थाना सुशांत गोल्फ सिटी के पास नहर में नहाते समय डूब गया था। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस शिवम की तलाश कर रही थी।पुलिस को सूचना मिली कि एक शव इंदिरा नहर में बह रहा है। उपनिरीक्षक अरविंद कुमार यादव और आरक्षी दीपक शाह मौके पर पहुंचे। नई जेल के पास थाना गोसाईंगंज क्षेत्र में शव को नहर से बाहर निकाला गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान की। चौकी प्रभारी एचसीएल उप निरीक्षक संदीप शर्मा को घटना की जानकारी दी गई।

युवती को फेसबुक में मैसेज भेज फंसाया, शारीरिक संबंध बनाए

» ब्लैक मेल कर लाखों रुपए ऐंठे, वीडियो वायरल की धमकी

» कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की मामले की जांच

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। रामनगरी की पवित्रता पर एक बार फिर सोशल मीडिया ने काली स्याही पोत दी है। कोतवाली नगर क्षेत्र की एक युवती के साथ फेसबुक के जरिए हुए विश्वासघात ने रिश्तों और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीड़िता की मानें तो फेसबुक पर एक युवक से हुई दोस्ती धीरे-धीरे बातचीत से मुलाकात में बदली और फिर कौशलपुरी कॉलोनी के एक होटल में

जाकर दरिंदगी में। युवक ने संबंध बनाते हुए चुपचाप वीडियो बना लिया और बाद में शादी के नाम पर मुकरते हुए वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 1.80 लाख रुपये वसूल लिए। अब वो और 2 लाख रुपये मांग रहा है।

घटना की शिकायत युवती ने कोतवाली नगर में की, लेकिन पुलिस की कार्रवाई 'प्रक्रियाधीन' नामक टालू भाषा में अटकी रही — जब तक मामला मीडिया की सुर्खियों में नहीं आया। दबाव बढ़ने पर मुकदमा तो दर्ज हुआ, लेकिन गिरफ्तारी आज तक अधूरी कहानी बनी हुई है।

नगर कोतवाल अश्वनी पांडेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी है।

अब स्वराज इंडिया सवाल करता है

-क्या अयोध्या में बेटियों की सुरक्षा अब ब्लैकमेलर्स के भरोसे है?

-पुलिस को शर्म तब ही क्यों आती है जब कैमरे के सामने कोई सवाल खड़ा करे?

-सोशल मीडिया की आड़ में पल रहे ये शिकारी कब तक हमारे घरों की देहरी लांघते रहेंगे?

ईरान ने इजरायल पर दागीं 15 मिसाइलें, बंकरों में छिपे लोग

» चारों तरफ वॉर सायरन और धमाकों की आवाजें गूंज रही

» अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानें में हमला कर युद्ध में हुआ शामिल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। जून से ईरान-इजरायल के बीच शुरू हुए युद्ध का आज 11वां दिन है। अभी तक के जंग में दोनों देशों में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है, लेकिन इस जंग में रविवार को नया मोड़ तब आया जब अमेरिका खुले तौर पर इस जंग में शामिल हो गया। अमेरिका ने ईरान पर हमला करते हुए उसके तीन परमाणु स्थलों को निशाना बनाया है. जिनमें फोर्डो, नतांज और एस्फाहान शामिल हैं। इस हमले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। जिसमें उन्होंने अमेरिका सेना को हमले की बधाई दी। ट्रंप ने कहा , हमने उनके परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया, अब ईरान को शांति के रास्ते पर आना चाहिए। अमेरिकी हमले के बाद यह जंग और तेज हो गया है। ईरान ने इजरायल में कई मिसाइलें दागी। अब ईरान इस जंग में रूस का साथ हासिल करने की कोशिश में जुटा है। इसके लिए ईरान के विदेश मंत्री आज मास्को रवाना हो रहे हैं।

इससे पहले ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए हमले की जानकारी दी थी। उन्होंने एक पोस्ट लिखते हुए कहा था कि हमने ईरान में तीन परमाणु स्थलों पर अपना बहुत सफल हमला पूरा कर लिया है, जिनमें फोर्डो, नतांज और एस्फाहान शामिल हैं। सभी विमान अब ईरान के हवाई क्षेत्र से बाहर हैं. अब शांति का समय है।

हमलों के बाद जगह-जगह दिख रहा ऐसा दृश्य। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान में इस्फहान परमाणु केंद्र की सेटेलाइट फोटो।

फोर्डो में परमाणु ठिकाने पर फिर हमला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के टकराव के बीच अमेरिकी सेना का ऑपरेशन मिडनाइट हैमर पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। अमेरिकी सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों को तबाह करने का दावा किया है। ईरान की संसद में होमुज़ जलडमरूमध्य को बंद करने संबंधी प्रस्ताव पारित होने की खबर है। यूएनएससी की आपात बैठक में पश्चिम एशिया के तनाव पर चिंता जताई गई। दोनों तरफसे जारी हमलों में अब तक 950 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

ईरानी सरकारी टेलीविजन ने सोमवार को बताया कि तेहरान में स्थित ईरान की कुख्यात एविन जेल के गेट के पास एक संदिग्ध इजरायली हवाई हमला हुआ है। ईरानी मीडिया का अनुमान है कि यह हमला एक ड्रोन द्वारा किया गया हो सकता है। रिपोर्ट में कथित तौर पर हमले की ब्लैक एंड व्हाइट फुटेज साझा की गई है। यह जेल दोहरी नागरिकता वाले और पश्चिमी देशों से जुड़े कैदियों को रखने के लिए बदनाम है। वहीं दूसरी ओर अभी तक इजरायल ने इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल स्वीकार नहीं की है। एविन में राजनीतिक कैदियों और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोगों के लिए विशेष इकाइयां भी हैं, जिन्हें केवल ईरान के सर्वोच्च नेता खामनेई के अधीन काम करने वाले रिवोल्यूशनरी गार्ड चलाते हैं। यह जेल अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा पहले से ही प्रतिबंधों का सामना कर रही है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि अनियंत्रित अति महत्वाकांक्षा ने वैश्विक स्तर पर संघर्ष पैदा कर दिया है। गडकरी ने कहा कि भारत को विश्व शांति और मानवता का संदेश देने की जरूरत है। हमारी विरासत, परंपरा और इतिहास इतना समृद्ध है कि हमारा देश कभी भी अधिनायकवादी और विस्तारवादी नहीं रहा। आज एक प्रकार की अनियंत्रित अति महत्वाकांक्षा है जो विश्व में संघष का कारण बन रही है और विश्व में विश्व शांति और मानवतावाद का संदेश देने की आवश्यकता उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि हमारा लोकाचार मेरे कल्याण या मेरे परिवार के कल्याण का उपदेश नहीं देता, बल्कि यह विश्व के कल्याण की बात करता है।

तीन न्यूक्लियर ठिकाने उड़ाए

तबाही बनकर ईरान पर गिरे अमेरिका के बी2 बॉम्बर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच शुरू हुआ तनाव अब जंग की शक्ल लेता जा रहा है। शनिवार को अमेरिका ने पहली बार ईरान पर सीधा हवाई हमला किया और तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इस हमले की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की और अमेरिकी वायुसेना की इस कार्रवाई को बेहद सफल बताया। इस हमले ने वेस्ट एशिया की स्थिति और भी ज्यादा गंभीर बना दी है।

स्टील्थ बॉम्बर्स से हुआ हमला : अमेरिका ने इस हमले के लिए बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स का इस्तेमाल किया, जो जीबीयू57 जैसे भारी बम ले जाने में सक्षम हैं। ये बम करीब 30,000 पाउंड वजनी होते हैं। अमेरिका के पास ही ऐसी क्षमता है, इसलिए फोर्डो पर हमला करने के लिए अमेरिका का बीच में आना जरूरी था। रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान के परमाणु ठिकाने को निशाना बनाने के लिए 13,000 किग्रा से अधिक वजनी अमेरिकी बंकर बस्टर का इस्तेमाल किया गया था।

इजरायल पर ईरान के जवाबी हमले को यूएस ने कैसे रोका : जब ईरान ने इजरायल पर जवाबी मिसाइल हमले किए, तब अमेरिका ने अपने इंटरसेप्टर और नौसैनिक सिस्टम से इजरायल को नुकसान से बचाया। अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस पूरी सैन्य कार्रवाई में अमेरिका-इजरायल की गहरी रणनीतिक साझेदारी दिखी।

जनता दर्शन : नागरिक सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर जनता दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग जिलों से आए लोगों की शिकायतें सुनीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्या सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और उन्हें अहसास कराया कि हर समस्या में सरकार साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार विगत 8 वर्ष से इसी उद्देश्य से कार्य कर रही है।

अधिकारियों को निर्देश-हर पीड़ित की समस्या पर करें तत्काल कार्रवाई : जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, शिक्षा, आवास, आंगनबाड़ी, कब्जा आदि से जुड़े अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी

» प्रदेश भर से यहां लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे

» मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समस्या के निराकरण के लिए निर्देशित किया

बच्चों को दुलारा, चॉकलेट भी दी : मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें कीं, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली।

प्रेमी संग मिलकर पति को लगाया ठिकाने

9 बच्चों की मां पर इश्क का ऐसा खुमार, 5 बार प्रेमी के साथ भागी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कासगंज। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के कोतवाली पटियाली क्षेत्र के भरगैन कस्बे में एक सनसनीखेज हत्याकांड ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। 18 जून से लापता अधेड़ रतिराम (45) का शव रविवार को कस्बे के पास जंगल में पड़ा हुआ मिला। आरोप है कि मृतक की पत्नी रीना ने अपने प्रेमी हनीफ के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी रीना और उसके कथित प्रेमी हनीफ पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार हैं। बता दें कि आरोपी पत्नी नौ बच्चों की मां है और पहले भी पांच बार भाग चुकी है।

मृतक रतिराम, फरुर्खाबाद जिले के कायमगंज का निवासी था। वह अपनी पत्नी रीना और नौ बच्चों के साथ रीना के मायके, भरगैन कस्बे में रह रहा था। 18 जून को रतिराम अचानक लापता हो गया था, जिसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रविवार को स्थानीय लोगों ने जंगल में एक शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त रतिराम के रूप में की।

नौ बच्चों की मां पर गंभीर आरोप

इस मामले ने इसलिए भी तूल पकड़ा है क्योंकि रीना नौ बच्चों की मां है। परिजनों का कहना है कि रीना और रतिराम के बीच अक्सर विवाद होता था, और रीना का हनीफके साथ प्रेम संबंध इस विवाद की मुख्य वजह था। पुलिस को शक है कि दोनों ने मिलकर रतिराम को रास्ते से हटाने की साजिश रची। मृतक के बेटे ने आरोप लगाया कि उसकी मां पहले भी पांच बार भाग चुकी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पत्नी और प्रेमी पर हत्या का शक : पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि रतिराम की पत्नी रीना का कथित तौर पर हनीफ नाम के व्यक्ति के साथ अवैध संबंध था। परिजनों ने आरोप लगाया कि रीना और हनीफ ने मिलकर रतिराम की हत्या की और शव को जंगल में फेंक दिया। हत्या के बाद दोनों आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि रीना और हनीफ की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।